

# डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, चर्च और अंतिम बातें, सत्र 9, चर्च के चिह्न, चर्च संबंधी पृथक्करण, और त्रुटि के संबंध में बाइबिल के सिद्धांत

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 9 है, चर्च के चिह्न, चर्च संबंधी पृथक्करण और त्रुटि के संबंध में बाइबिल के सिद्धांत।

अब हम अपने व्याख्यानों में चर्च की विशेषताओं से चर्च के चिह्नों की ओर मुड़ते हैं।

आइए प्रार्थना करें। प्रभु यीशु मसीह, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आप चर्च के प्रभु हैं। हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने हमें अपने लोगों का हिस्सा बनाया है। हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारे अंदर काम करें, हमें प्रोत्साहित करें। जहाँ हमें इसकी ज़रूरत है, हमें सुधारें, हमें अपने अनंत मार्ग पर ले जाएँ। हम आपके पवित्र नाम में प्रार्थना करते हैं। आमीन।

हमने चर्च की विशेषताओं के बारे में बात की, जो कि पितृसत्तात्मक, परिभाषित करने वाले और स्वीकारोक्ति संबंधी मामले थे। एक पवित्र कैथोलिक और प्रेरितिक चर्च है। अब, हम चर्च के चिह्नों की ओर बढ़ते हैं, जो एक विवादास्पद, सुधारात्मक मामला है।

अंत में, तीन चिह्न हैं। लूथर ने एक बार चर्च के सात चिह्नों के बारे में बात की थी: उपदेश, बपतिस्मा, प्रभु भोज और कुंजियाँ। वह मैथ्यू 18 का उल्लेख कर रहा है; उसका मतलब अनुशासन, मंत्रियों का बुलावा, प्रार्थना, सार्वजनिक पूजा और पवित्र क्रॉस का कब्जा है; उसके शब्दों से, उसका मतलब उत्पीड़न से था। मैं यह कहने के लिए इसका उल्लेख करता हूँ कि लूथर वास्तव में यह दावा नहीं कर रहा था कि यह एक संख्या है जिसका उपयोग चर्च के जीवन में किया जाना चाहिए, लेकिन सुधारक इन शब्दों के बारे में सोच रहे थे।

केल्विन के अपने जेनेवा, 1536 के जेनेवा कन्फेशन में, इसका एक हिस्सा यह था, अनुच्छेद 18, उचित चिह्न, एकवचन, यह लैटिन है, नोटे, बहुवचन, नोटे, यीशु मसीह के चर्च को सही ढंग से पहचानने का उचित चिह्न यह है कि उनके पवित्र सुसमाचार को विशुद्ध रूप से और ईमानदारी से प्रचारित, घोषित, सुना और रखा जाए, कि उनके संस्कारों को उचित रूप से प्रशासित किया जाए, भले ही कुछ खामियाँ और दोष हों, जैसा कि मनुष्यों में हमेशा होता है। वह चिह्न कहते हैं, और वह सुसमाचार को पहले रखते हैं, लेकिन फिर वह संस्कारों को शामिल करते हैं और ध्यान दें कि अभी तक अनुशासन का कोई उल्लेख नहीं था। वास्तव में, केल्विन के अध्ययनों में इस बात पर बहस है कि क्या उन्होंने अनुशासन को शामिल किया था; उन्होंने सोचा कि अनुशासन महत्वपूर्ण था; वहाँ कोई बहस नहीं है, लेकिन हर कोई सहमत है कि उनके पास पहले दो चिह्नों के रूप में शब्द और संस्कार थे। उनकी परंपरा ने निश्चित रूप से अनुशासन को जोड़ा। यह अभी हमारी रुचि से परे, हमारी चिंता से परे एक प्रश्न है कि क्या केल्विन के पास अनुशासन का तीसरा चिह्न था।

चिह्नों की मानक स्वीकारोक्ति व्याख्या 1561 के बेल्जिक स्वीकारोक्ति से ली गई है, जिसे गुइडो डे ब्रे ने लिखा था। यह निचले इलाकों में सताए गए सुधारित ईसाइयों के लिए एक माफी, एक बचाव है, बेल्जिक स्वीकारोक्ति, और जैसा कि हमने पहले कहा, यह सुधारित चर्चों के हीडलबर्ग स्वीकारोक्ति और डॉर्ट के कैनन के साथ एकता के तीन रूपों का हिस्सा है। वेस्टमिंस्टर मानक प्रेस्बिटेरियन चर्चों के लिए सैद्धांतिक प्रतीक हैं।

बेल्जिक कन्फेशन, अनुच्छेद 29, हम मानते हैं कि हमें परमेश्वर के वचन से लगन और बहुत सावधानी से यह समझना चाहिए कि सच्चा चर्च क्या है, क्योंकि आज दुनिया के सभी संप्रदाय खुद के लिए चर्च का नाम होने का दावा करते हैं। हम यहाँ पाखंडियों की संगति की बात नहीं कर रहे हैं जो चर्च में अच्छे लोगों के बीच घुलमिल गए हैं और फिर भी वे इसका हिस्सा नहीं हैं, भले ही वे शारीरिक रूप से वहाँ हों, लेकिन हम सच्चे चर्च के शरीर और संगति को उन सभी संप्रदायों से अलग करने की बात कर रहे हैं जो खुद को चर्च कहते हैं। वह न केवल रोम का विरोध कर रहा है बल्कि कट्टरपंथी सुधार का भी विरोध कर रहा है; हम मैजिस्ट्रियल सुधारकों लूथर, बेज़ा, लूथर, ज़िंगली और केल्विन के बारे में बात करते हैं, जिन्हें राज्य और राजकुमार का समर्थन प्राप्त था।

कट्टरपंथी सुधारक एक विविधतापूर्ण समूह थे, और कट्टरपंथी सुधार में इतनी गलतियाँ और विचित्र चीजें थीं कि लूथर और केल्विन ने वहाँ सत्य और असत्य को नहीं पहचाना; दिलचस्प बात यह है कि, हालाँकि बहुत कुछ झूठ था क्योंकि कट्टरपंथी सुधार में त्रिमूर्ति-विरोधी शामिल थे, यह 16वीं शताब्दी में एक मृत्युदंडनीय अपराध था। इसमें सर्वनाशकारी कट्टरपंथी शामिल थे जो भगवान के नाम पर शहरों पर कब्ज़ा कर रहे थे। इसमें, यकीन करना मुश्किल है, लेकिन 16वीं सदी की नग्नता और बहुविवाह शामिल थे, जो पूर्व के लिए ईडन गार्डन की किताब और बाद के लिए पितृसत्तात्मक काल में वापस जाने का दावा करते थे।

वैसे भी, यह गलत है; वे गलत थे, लेकिन सुधारकों के लिए कट्टरपंथी सुधार के सभी एनाबैपटिस्टों की निंदा करना समझ में आता है। यह गलत था, लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने यही किया। इसलिए बेल्जियम कन्फेशन सच्चे सुधारवादी चर्च के बीच अंतर करने की कोशिश कर रहा है, जिसे वे कैथोलिक या सार्वभौमिक चर्च मानते हैं, और न केवल रोम, बल्कि ये सभी; वे उन्हें संप्रदाय कहते हैं, कट्टरपंथी सुधार, उत्साही एक और नाम है जिसका उन्होंने इस्तेमाल किया।

सच्चे चर्च को पहचाना जा सकता है यदि उसमें निम्नलिखित चिह्न हों। यह निश्चित प्रतीकात्मक, स्वीकारोक्ति कथन है। चर्च सुसमाचार के शुद्ध प्रचार में संलग्न है।

यह मसीह द्वारा स्थापित संस्कारों के शुद्ध प्रशासन का उपयोग करता है। यह गलतियों को सुधारने के लिए चर्च के अनुशासन का अभ्यास करता है। ये चर्च के तीन चिह्न हैं।

संक्षेप में, यह परमेश्वर के शुद्ध वचन के अनुसार खुद को संचालित करता है, इसके विपरीत सभी चीजों को अस्वीकार करता है और यीशु मसीह को एकमात्र मुखिया मानता है। क्या यह रोम पर प्रहार है? निश्चित रूप से है। इन चिह्नों से, कोई भी सच्चे चर्च को पहचानने का आश्वासन पा सकता है और किसी को भी इससे अलग नहीं होना चाहिए।

जहाँ तक चर्च से जुड़े लोगों की बात है, हम उन्हें ईसाइयों के विशिष्ट चिह्नों से पहचान सकते हैं। यह बेलजियम के स्वीकारोक्ति के लिए अद्वितीय है। और वर्षों से, मेरे छात्रों ने इसे नया और ताज़ा पाया है, न केवल चर्च के चिह्न बल्कि ईसाइयों के चिह्न, अर्थात् विश्वास और पाप से भागने और धार्मिकता का अनुसरण करने के द्वारा।

विश्वास, धार्मिकता। एक बार जब वे एकमात्र उद्धारकर्ता यीशु मसीह को प्राप्त कर लेते हैं, तो ध्यान दें कि ईश्वरीयता सुसमाचार में विश्वास का अनुसरण करती है। वे विश्वास और धार्मिकता से प्रेम करते हैं और बिना दाएँ या बाएँ मुड़े सच्चे परमेश्वर और अपने पड़ोसियों से प्रेम करते हैं, और वे शरीर और उसके कार्यों को क्रूस पर चढ़ा देते हैं।

हालाँकि उनमें बहुत कमजोरी बनी हुई है, सच्चे मसीही, यानी, आत्मा के द्वारा, बड़े एस द्वारा, अपने जीवन के सभी दिनों में इसके खिलाफ़ लड़ते हैं, लगातार प्रभु यीशु के रक्त, पीड़ा, मृत्यु और आज्ञाकारिता की अपील करते हैं, जिसमें उन्हें उनके पापों की क्षमा उनके विश्वास के माध्यम से मिलती है। जहाँ तक झूठे चर्च की बात है, अनुमान लगाइए कि वह क्या है? यह परमेश्वर के वचन की तुलना में खुद को और अपने अध्यादेशों को अधिक अधिकार देता है। यह खुद को मसीह के जुए के अधीन नहीं करना चाहता।

यह संस्कारों को उस तरह से प्रशासित नहीं करता जैसा कि मसीह ने अपने वचन में आदेश दिया था। इसके बजाय यह उनमें रोमियों 7 को जोड़ता है, या उनमें से कुछ कट्टरपंथी सुधारकों को घटाता है, जैसा कि यह चाहता है। यह यीशु मसीह से ज़्यादा मनुष्यों पर आधारित है।

यह उन लोगों को सताता है जो परमेश्वर के वचन के अनुसार जीवन जीते हैं और इसकी गलतियों, लालच और मूर्तिपूजा के लिए इसे फटकारते हैं। इन दोनों चर्चों को पहचानना आसान है और इस प्रकार एक दूसरे से अलग करना आसान है। स्कॉट के कबूलनामे में प्रासंगिक जानकारी है।

वेस्टमिंस्टर मानक कभी भी चिह्नों का विशेष रूप से उल्लेख नहीं करता है, लेकिन इसमें प्रासंगिक जानकारी भी है। यह बेलचर स्वीकारोक्ति है जो चर्च के इन तीन चिह्नों को बताती है। बाइबिल के तर्क के बारे में क्या? जहाँ तक शब्द की बात है, वास्तव में, शब्द और ईसाई बपतिस्मा दोनों का उल्लेख चर्च को यीशु के महान आदेश में किया गया है।

महान आदेश बहुत महत्वपूर्ण है। जी उठे मसीह ने पिता के पास जाने से पहले चर्च को दिए अपने अंतिम शब्दों में यह आदेश दिया। यह उनके कथन से पहले आता है कि उनके पास सार्वभौमिक अधिकार है।

इसके बाद हमेशा के लिए उनकी उपस्थिति का वादा किया गया है। सारा अधिकार, मत्ती 28, 18, स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। वहाँ जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ, उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें वह सब मानना सिखाओ जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है।

और देखो, मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूँ, युग के अंत तक। उन्हें महान आदेश सिखाना सुसमाचार प्रचार, निहित, शिष्यत्व, स्पष्ट, बपतिस्मा, दोनों का प्रारंभिक संस्कार, बपतिस्मा, और प्रभु का

भोज का आदेश है। और विशेष रूप से, फिर से, वचन, उन्हें वह सब पालन करना सिखाओ जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है।

परमेश्वर के वचन के प्राथमिक होने का एक और अच्छा प्रमाण 2 तीमुथियुस 4:2 है, जहाँ पौलुस अपने शिष्य से कहता है कि वह उसे आदेश देता है। यह भी एक गंभीर मामला है। इसलिए, दोनों महान आदेश गंभीर और महत्वपूर्ण हैं।

इसी तरह, एक प्रेरित की ओर से एक प्रेरित प्रतिनिधि को एक जिम्मेदारी दी जाती है। मैं तुम्हें परमेश्वर और मसीह यीशु की उपस्थिति में, जो जीवितों और मरे हुएों का न्याय करने वाला है, और उसके प्रकट होने और उसके राज्य के द्वारा, यह जिम्मेदारी देता हूँ। मेरा मतलब है, हम यहाँ गंभीर व्यवसाय की बात कर रहे हैं, है न? वचन का प्रचार करो।

समय और असमय तैयार रहो। पूरे धैर्य और शिक्षा के साथ डाँटो, डाँटो और समझाओ। यह सब वचन के प्रचार का विस्तार और अनुप्रयोग है।

मैं इस धारणा से सहमत हूँ, और सुधारवादी चर्चों ने इसे स्वीकार कर लिया है। आम तौर पर इंजीलवाद ने, हालाँकि कभी-कभी हम कर सकते थे, वे कर सकते थे, वे कर सकते थे, हम कर सकते थे, मैं एक इंजीलवादी हूँ, तीनों चिह्नों को स्वीकार कर लिया है। यह स्पष्ट रूप से कहा जाना चाहिए कि पहला चिह्न अन्य दो का आधार है।

शब्द चर्च का सबसे महत्वपूर्ण चिह्न है। वास्तव में, संस्कार दृश्यमान शब्द हैं। हम इसे प्रभु के भोज में देखते हैं, 1 कुरिन्थियों 11:23, जितनी बार आप इस रोटी को खाते हैं और इस प्याले को पीते हैं, आप प्रभु की मृत्यु की घोषणा करते हैं जब तक कि वह न आ जाए।

संस्था के शब्दों के साथ प्रभु भोज का पालन करना प्रभु की मृत्यु की घोषणा है। यह प्रायश्चित्त की घोषणा है। यह इस समारोह में प्रतीकात्मक रूप से सुसमाचार का प्रचार है।

प्रभु भोज सुसमाचार का एक औपचारिक प्रचार है, और ईसाई बपतिस्मा भी ऐसा ही है, जो मसीह के साथ एकता और पवित्र आत्मा की शुद्धि और प्राप्ति का संचार करता है। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि बपतिस्मा में ये बातें अपने आप ही व्यक्त हो जाती हैं। मैं कह रहा हूँ कि बपतिस्मा का यही अर्थ है।

प्रभु भोज के साथ भी ऐसा ही है। यह सबसे बढ़कर मसीह के साथ एकता और औचित्य, पवित्रीकरण और गोद लेने का प्रतीक है। ये सभी चीजें अपने आप नहीं मिलतीं, बल्कि परमेश्वर द्वारा वादा की जाती हैं और विश्वास से प्राप्त होती हैं।

तो, तीन चिह्न हैं, लेकिन वास्तव में एक प्राथमिक चिह्न है, शब्द। अनुशासन, तीसरा चिह्न, मैथ्यू 18, 1 कुरिन्थियों 5, और इसी तरह के शब्दों का अनुप्रयोग है। शब्द प्राथमिक चिह्न है।

बपतिस्मा और प्रभु भोज के संस्कार भी चर्च की पहचान हैं। मैं उन्हें शब्द का अनुप्रयोग कहता हूँ। महान आदेश यीशु को आदेश देता है और इसमें यीशु का त्रिदेव के नाम पर बपतिस्मा देने का आह्वान शामिल है।

मत्ती 26, 26 से 28 में, यीशु ने प्रभु के भोज की स्थापना की। 1 कुरिन्थियों 11, 23 से 26 में, वह पौलुस की याद को उसी चीज़ के रूप में प्रकट करता है जो प्रभु ने उसे बताई थी, वह कहता है। ये विकल्प नहीं हैं।

हम अपने उन भाइयों और बहनों को साथी विश्वासियों के रूप में स्वीकार करते हैं जो साल्वेशन आर्मी जैसी किसी संस्था में मसीह में विश्वास करते हैं। हम इस बात पर अफसोस जताते हैं कि वे ईसाई संस्कारों का पालन नहीं करते। यह एक गंभीर चूक है, और ऐतिहासिक मानकों के आधार पर, यह एक सच्चे चर्च की परिभाषा से कम है।

मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि ऐसी इकाई में लोगों को बचाया नहीं जा सकता। मैं कह रहा हूँ कि इसमें चर्च के चिह्नों में से एक का अभाव है, और मुख्य ईसाई संप्रदायों में, कुल मिलाकर, इतने सालों से अनुशासन के चिह्न का अभाव है। यह बहुत दुखद बात है कि पुराने यूनाइटेड प्रेस्बिटेरियन चर्च में सुसमाचार के एक मंत्री को नियुक्त किया गया, जिसने खुले तौर पर मसीह के ईश्वरत्व को नकार दिया, और उसे प्रेस्बिटेरी द्वारा अनुमति दी गई और उसे कोई कार्रवाई नहीं की गई, जनरल असेंबली द्वारा उसे वापस नहीं लिया गया।

यह अनुशासन की घातक कमी है। क्या मैं यह कह रहा हूँ कि मुख्य चर्चों में हर कोई बचा नहीं है? मैं ऐसा नहीं कह रहा हूँ। मैं यह कह रहा हूँ कि अगर वे बाइबल के तरीके से अनुशासन का पालन नहीं करते हैं, जिसका न केवल आदेश दिया गया है बल्कि इसे विनम्रता और पादरी के रूप में लागू किया जाना चाहिए, तो वे चर्च के मानकों से चूक रहे हैं।

अनुशासन, हम मत्ती 18 में देखते हैं, जहाँ यीशु निर्देश देते हैं, यदि तुम्हारा भाई तुम्हारे विरुद्ध पाप करता है, तो व्यक्तिगत रूप से उसके पास जाओ; मत्ती 18:15 से 17, इसे सुलझाने का प्रयास करो। यदि तुम नहीं कर सकते, तो एक या दो गवाह लाओ। यदि तुम नहीं कर सकते, यदि वह फिर भी तुम्हारी बात नहीं सुनता, तो तुम इसे कलीसिया के पास लाओ, जिसका मैं यह अर्थ लेता हूँ कि तुम इसे कलीसिया के अधिकारियों, कलीसिया के प्राचीनों के पास लाओ, और यह एक कलीसिया, एक अधिक कलीसिया-व्यापी ढंग बन जाता है, और अनुशासन उस व्यक्ति की मदद करने के लिए दिया जाना चाहिए जिसने पाप किया है ताकि शरीर का स्वास्थ्य बना रहे, लेकिन सबसे बढ़कर, सभी चीजों की तरह, परमेश्वर की महिमा के लिए।

उदाहरण के लिए, अनुशासन के तीन उद्देश्य सुधारक जॉन कैल्विन द्वारा सिखाए गए थे। पहला कुरिन्थियों 5, पॉल इस पर विश्वास नहीं कर सकता। यह गैर-यहूदियों, बचाए न गए लोगों, गैर-यहूदियों और वाचा से बाहर के लोगों के बीच भी नहीं सुना जाता है कि एक आदमी अपनी सौतेली माँ के साथ उसी तरह रहता है जैसे एक आदमी अपनी पत्नी के साथ रहता है।

उस आदमी को बाहर निकालो। सभी अनुशासन का उद्देश्य सुधार करना होता है, और भगवान इसका उपयोग उस व्यक्ति को पुनः प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं। मुझे एक महिला और बाइबल पर विश्वास करने वाले चर्च के बुजुर्गों की कहानी पता थी।

खैर, सबसे पहले, यह चरणों से गुज़रा, और यह बड़ों तक पहुँचा, ठीक है? यह पहले दो चरणों के साथ काम नहीं किया। व्यक्ति, उह-उह। दो या तीन लोग, नहीं।

बुजुर्गों ने उसे समझाया, उससे मुलाकात की, उसे पत्र भेजे। आखिरकार, पूरी प्रक्रिया के बाद, उसने कभी नहीं सुना। वह कभी पश्चाताप नहीं करेगी।

दुख और शायद आंसुओं के साथ, उन्होंने उसे बहिष्कृत कर दिया, जिसका मतलब है कि हम आपके उद्धार का न्याय नहीं कर रहे हैं, लेकिन आपके पश्चाताप की निरंतर कमी से लेकर स्पष्ट बाइबिल की अपील तक, आपको प्रभु के भोज तक पहुँच से वंचित कर दिया गया है, जिसका मतलब है कि आप एक असुरक्षित महिला की तरह रह रही हैं। आखिरकार, इसने उसे तोड़ दिया। उसने पश्चाताप किया।

यह दुखद था। इसमें उनकी सारी ऊर्जा, प्रयास, घंटे और काम लग गए। फिर भी, वे वफ़ादार बुजुर्ग थे, और प्रभु ने इसका इस्तेमाल इस महिला के जीवन में और उन लोगों के जीवन में उपचार लाने के लिए किया, जिन पर उसने नकारात्मक प्रभाव डाला था।

वचन को प्राथमिकता दी गई है। तीन चिह्न हैं, लेकिन संस्कार और अनुशासन वचन के अनुप्रयोग हैं। वचन अनुशासन सिखाता है और नियंत्रित करता है।

संस्कारों के लिए वचन आवश्यक है। आप जितना चाहें उतना पानी ले सकते हैं। यदि आपके पास वचन नहीं है, शब्द नहीं हैं, तो मैं आपको पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा देता हूँ, यह ईसाई बपतिस्मा नहीं है।

आप बिना किसी संस्था के शब्दों के भी अपनी इच्छानुसार सारी रोटी और अंगूर का रस या शराब ले सकते हैं। यह प्रभु का भोज नहीं है। संस्कारों को प्रभावी बनाने के लिए उनमें वचन होना चाहिए।

चर्च के चिह्नों को और अधिक महत्व दिया जाना चाहिए, लेकिन हम अपने भ्रमण में और अधिक चिह्नों पर चर्चा करेंगे, जो अब चर्चा में है। तीन चिह्न: वचन का शुद्ध प्रचार, संस्कारों का उचित प्रशासन। मैं प्रेस्बिटेरियन चर्च ऑफ अमेरिका में एक सेवानिवृत्त शिक्षण एल्डर हूँ, और मैं घरेलू बपतिस्मा में विश्वास करता हूँ।

मैं बच्चों के बपतिस्मा में विश्वास करता हूँ। प्रेरितों के काम की पुस्तक में क्या कहा गया है? यह एक ऐसी स्थिति है जहाँ सुसमाचार एक संस्कृति में आता है। बेशक, वयस्कों को बपतिस्मा दिया जाता है क्योंकि वे थे, वे बचाए गए थे।

प्रेरितों के काम की पुस्तक में दूसरी पीढ़ी की स्थिति का एक भी उदाहरण नहीं था। किसी भी मामले में, क्या मैं यह कह रहा हूँ कि बैपटिस्ट संस्कारों को ठीक से संचालित नहीं कर रहे हैं? मैं ऐसा नहीं कह रहा हूँ। मैं यह कह रहा हूँ कि संस्कारों को सुसमाचार के विधिपूर्वक नियुक्त मंत्री द्वारा पानी का उपयोग करके सही ढंग से संचालित किया जाता है, चाहे वह डाला जाए, छिड़का जाए या डुबोया जाए।

मैं व्यक्तिगत रूप से पानी डालना पसंद करता हूँ। जॉन बैपटिस्ट ने भविष्यवाणी की थी कि यीशु चर्च पर पवित्र आत्मा उंडेलेंगे। मैं पानी से बपतिस्मा देता हूँ।

वह आत्मा से बपतिस्मा देगा। यीशु ने प्रेरितों के काम 2 में ऐसा किया है। वह जिस विधि का उपयोग करता है वह है पानी डालना। मेरे लिए यह कहना कठिन है कि यीशु ने यह गलत किया।

क्या मैं यह कह रहा हूँ कि डुबोना गलत है? मैं ऐसा नहीं कह रहा हूँ। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि छिड़कना गलत है। हमारे पास इन तीनों के लिए बाइबल आधारित तर्क देने का समय नहीं है।

इस पर तर्क हैं, लेकिन मैं यह कह रहा हूँ। ईसाई बपतिस्मा को एक चिह्न के रूप में सही ढंग से प्रशासित किया जाता है यदि यह पानी और शब्दों के साथ त्रिदेव के नाम पर सुसमाचार के एक मंत्री द्वारा किया जाता है, मैं तुम्हें बपतिस्मा देता हूँ और इसी तरह - चर्च संबंधी अलगाव।

सबसे पहले, कुछ शब्द। शब्दावली महत्वपूर्ण है। धर्मत्याग, विधर्म और फूट।

धर्मत्याग का अर्थ है ईसाई धर्म का त्याग या त्याग, चाहे स्वेच्छा से या मजबूरी में। वास्तव में, एक बड़ी परिभाषा एक बार स्वीकार किए गए धर्म का त्याग है। इसलिए, एक धर्मत्यागी मॉर्मन या एक धर्मत्यागी बौद्ध के बारे में बात करना समझ में आता है।

हमारा संदर्भ ईसाई है। इसलिए, धर्मत्याग का अर्थ है एक बार स्वीकार किए गए ईसाई धर्म को अस्वीकार करना। धर्मत्यागी वह व्यक्ति है जो ऐसा करता है।

और क्रिया का रूप धर्मत्यागी है, धर्मत्यागी नहीं, अगर यह आपके लिए मायने रखता है। यदि आप व्याकरण के प्रति नाजी हैं जैसे कि मैं हूँ, तो किसी भी मामले में, यह विधर्म के समान नहीं है। वैसे, मैंने जो परिभाषा दी है वह क्रिश्चियन चर्च के न्यू इंटरनेशनल डिक्शनरी से है।

मिलार्ड एरिक्सन कहते हैं कि ईसाई धर्मशास्त्र का संक्षिप्त शब्दकोश, विधर्म, एक ऐसा विश्वास या शिक्षा है जो धर्मग्रंथ और ईसाई धर्मशास्त्र का विरोधाभास करता है। मुझे मिलार्ड एरिक्सन बहुत पसंद हैं। मुझे उनकी ईसाई धर्मशास्त्र पुस्तक बहुत पसंद है।

मैंने इसे कई सालों तक अपने शिक्षण में इस्तेमाल किया। वह चर्च का एक राजकुमार था। वह एक ईश्वरीय व्यक्ति है।

उन्होंने बहुत कुछ अच्छा किया है। मैं उनसे असहमत होने वाला हूँ, जैसा कि आप देख सकते हैं। मैंने और उन्होंने एक बार एक सम्मेलन में बात की थी जिसमें वे मुख्य वक्ता थे।

उन्होंने मुझे संगति का दाहिना हाथ दिया, और मैंने भी उत्सुकता से वैसा ही किया। लेकिन, अगर विधर्म केवल एक विश्वास या शिक्षा है जो शास्त्र और ईसाई धर्मशास्त्र का खंडन करती है, तो मैं इसे कैसे कह सकता हूँ? एरिक्सन एक बैपटिस्ट हैं। मैं एक पेडो-बैपटिस्ट हूँ।

एरिक्सन एक प्री-मिलेनियलिस्ट हैं। इनमें से किसी भी चीज़ में मेरा कोई बड़ा हित नहीं है, लेकिन मैं ज़्यादा एमिलेनियलिज़्म की ओर झुकूंगा। वह मण्डली सरकार में विश्वास करते हैं।

मैं बड़ों के शासन में विश्वास करता हूँ। कोई न कोई गलत है। और मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि मिलर्ड तीनों ही मामलों में सही हो सकते हैं, लेकिन अभी मेरा मुद्दा यह नहीं है।

जाहिर है, मैं जो सिखाता हूँ और जिस पर विश्वास करता हूँ, उसके प्रति मेरा दृढ़ विश्वास है, हालाँकि मैं हर चीज़ को समान रूप से नहीं मानता। और उनमें से कुछ मामले मेरे लिए उतने महत्वपूर्ण नहीं हैं जितने कि कुछ अन्य, लेकिन यह एक और कहानी है जिस पर किसी और दिन चर्चा होगी। लेकिन मुद्दा यह है।

हम इन तीनों मुद्दों पर असहमत हैं। हममें से एक गलत है। हो सकता है कि हम दोनों ही गलत हों।

हो सकता है कि वह एक बात पर गलत हो और मैं दो पर गलत हूँ। मुझे नहीं पता, लेकिन हम एक दूसरे को विधर्म नहीं कहेंगे। इसलिए, मेरी परिभाषा ज़्यादा मजबूत है।

ऐसा विश्वास या शिक्षा जो सुसमाचार का खंडन करती है। विधर्म सिर्फ एक त्रुटि नहीं है। जैसा कि आप थोड़ी देर में देखेंगे, हम सभी में त्रुटियाँ होती हैं।

यह एक बहुत बड़ी गलती है। लड़के, हमें विधर्म शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। मसीह में भाई-बहन जो ईसाई बपतिस्मा, सहस्राब्दी या चर्च सरकार के बारे में हमसे असहमत हैं, वे विधर्म नहीं हैं।

इसके बारे में थोड़ी देर में और जानकारी दी जाएगी। स्किज़्म, जो कि उचित उच्चारण है, चर्च की एकता से औपचारिक और जानबूझकर किया गया अलगाव है। क्रिश्चियन चर्च का ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी।

मैंने पहले ईसाई चर्च के इवेंजेलिकल डिक्शनरी, न्यू इंटरनेशनल डिक्शनरी से उद्धरण दिया था। यह कुछ अमेरिकी चीजों और लोगों और आंदोलनों के लिए बेहतर है। जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, ईसाई चर्च का ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी कुछ ब्रिटिश चीजों, लोगों और आंदोलनों के लिए बेहतर है।

शब्दावली, धर्मत्याग, एक बार अपनाए गए ईसाई धर्म को त्यागना। इब्रानियों 6 और 10 में इसी के खिलाफ चेतावनी दी गई है। विधर्म एक निंदनीय विश्वास है जो मसीह के ईश्वरत्व को नकारता है।

एसआईएसएम, चर्च से अलगाव। त्रुटि की डिग्री पर धार्मिक दृष्टिकोण ने पिछले कुछ वर्षों में मेरे छात्रों की बहुत मदद की है। हम बाइबिल की शिक्षाओं के बीच अंतर करते हैं; हम सत्य कहेंगे।

त्रुटियाँ, अलग-थलग त्रुटियाँ। क्या कभी कोई त्रुटि अलग-थलग होती है? हो सकता है, हो सकता है नहीं। प्रणालीगत या व्यवस्थित त्रुटियाँ वे त्रुटियाँ हैं जो एक सिस्टम में चलती हैं, फिर एक बड़ी दरार, एक बड़ा टूटना, और फिर विधर्म।

चर्च, मैं डेविड जोन्स को उद्धृत कर रहा हूँ, जो कॉव्नेंट सेमिनरी में मेरे वर्षों के दौरान धर्मशास्त्र के वरिष्ठ प्रोफेसर थे। वे मुझसे पहले सेवानिवृत्त हो गए और अब प्रभु के साथ हैं। उद्धरण: चर्च कमोबेश प्रेरितिक होते हैं, यानी, सिद्धांत रूप से शुद्ध या रूढ़िवादी, सुसमाचार के सिद्धांत के अनुसार जो उनमें सिखाया और अपनाया जाता है।

यहां तक कि सबसे शुद्ध चर्च भी त्रुटि के अधीन हैं, जैसा कि सुधारकों ने स्पष्ट रूप से सिखाया है। फिर भी कुछ लोग पवित्र शास्त्रों में सिखाई गई सिद्धांत की प्रणाली को स्वीकार करने में दूसरों की तुलना में अधिक वफादार हैं। प्रणालीगत विधर्म धर्मत्याग से मुश्किल से अलग हो सकते हैं।

यानी, जो व्यक्ति यह मानता है कि यीशु ईश्वर नहीं है, चाहे वह किसी धार्मिक संस्था के दरवाजे पर जाता हो या नहीं, वह विधर्मी है, और यह धर्मत्याग के बराबर है। उन्होंने एक त्रुटि पर विश्वास करके सच्चे विश्वास को नकार दिया है। मुझे इन पर काम करने दें।

बाइबिल की शिक्षा मसीह का ईश्वरत्व, मसीह की मानवता, मसीह का अवतार और यह तथ्य है कि यीशु फिर से आ रहे हैं। प्रेरितों का पंथ बाइबिल की शिक्षा का लगभग सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत सारांश प्रस्तुत करता है। त्रुटियाँ।

मैं एक बार हेर्मेनेयुटिक्स के लिए एक किताब असाइन करता था, इस समय मुझे नाम याद नहीं आ रहा है; शायद यह याद आ जाए। यह अभी उतना महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन उस किताब में लेखक, दो लेखकों ने कहा कि मैककार्टनी और क्लेटन, मैककार्टनी और क्लेटन की हेर्मेनेयुटिक्स पुस्तक, भगवान की पवित्र बाइबिल में एक श्लोक की गलत व्याख्या करना पाप है। मैं कभी-कभी रीडिंग पर सही और गलत क्लिज़ देता था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि छात्र उन्हें पढ़ें और असाइनमेंट पढ़ें, और यह किताब मेरे लिए आश्चर्यजनक थी। हर छात्र ने उस कथन को पढ़ा; हर छात्र ने उस कथन को समझा, और आधे छात्रों ने, हालांकि मैं सच या गलत कहूंगा, बाइबिल में एक श्लोक की गलत व्याख्या करना पाप है, उनमें से आधे ने कहा कि झूठ।

क्यों? असाइनमेंट मैककार्टनी और क्लेटन के अनुसार था; शायद किताब का नाम पाठक को कुछ ऐसा ही समझने देता है। वे जानते थे कि इसमें क्या लिखा है, लेकिन उन्हें यह पसंद नहीं आया, इसलिए उनमें से आधे ने इसे अस्वीकार कर दिया और क्लिज़ में एक को खो दिया। वे होशियार थे; वे जानते थे कि मैंने उन्हें कैसे भी कुछ मुफ्त चीज़ें दी हैं, लेकिन क्या वे सही नहीं हैं, मैककार्टनी और क्लेटन? यह भगवान का वचन है।

क्या कोई इंसान, कोई उपदेशक, कोई शिक्षक यह दावा कर सकता है कि वह सब कुछ जानता है? मैं जो कहना चाह रहा हूँ, वह यह है कि मेरे दोस्तों, इस त्रुटि चार्ट की डिग्री सिखाने में मेरे दो

उद्देश्यों में से एक यह है: हम सभी में त्रुटियाँ होती हैं। यह एक विनम्र बात है, यह एक विनम्र बात है। जेम्स 3, जीभ पर अनुभाग शुरू करने से पहले, जो भाषण के लिए एक लक्षण है, जीभ भाषण का अंग है, भाषण का प्राथमिक अंग है, कहता है, मेरे भाइयों, तुम में से बहुत से शिक्षक न बनें क्योंकि हम कठोर न्याय सहेंगे।

यह गंभीर मामला है। हम सभी में गलतियाँ होती हैं। हमें नम्र होना चाहिए क्योंकि हम परमेश्वर के वचन और उसकी शिक्षाओं को संभालते हैं, है न? हम सब कुछ नहीं जानते।

यह हमें बड़ी और छोटी चीजों के बीच अंतर करने में भी मदद करता है, और यही वह काम है जो यह चार्ट करने में मदद करता है। हम सभी में गलतियाँ होती हैं। अगर मुझे अपनी गलतियाँ पता होतीं, तो मैं तुरंत उनका पश्चाताप करता, और यही सही क्रिया है, गलतियों का पश्चाताप करना।

तो, हम सभी में गलतियाँ होती हैं। वास्तव में, हममें से बहुत से लोगों में व्यवस्थागत गलतियाँ होती हैं, और मैं यहाँ गलतियों से संबंधित उदाहरणों का नाम लेकर उनका उपयोग करने जा रहा हूँ। जैसा कि मैंने कहा, मिलार्ड एरिक्सन जैसे ईश्वरीय और रूढ़िवादी व्यक्ति और मैं असहमत हैं।

क्या मैं सहस्राब्दी के बारे में अपने दृष्टिकोण को एक बड़ा मुद्दा मानूंगा? मैं नहीं मानूंगा। बपतिस्मा के बारे में मेरा दृष्टिकोण यह है कि मैं ऐसा नहीं मानूंगा। मुझे लगता है कि ईसाई बपतिस्मा बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन मैं बैपटिस्ट बपतिस्मा को एक वैध बपतिस्मा मानता हूँ।

मुझे उम्मीद है कि मेरे बैपटिस्ट मित्र भी ऐसा ही करेंगे। और चर्च की सरकार, सभी चर्च की सरकार, जॉन फ्रेम सही कहते हैं, एल्डर्स द्वारा शासित मण्डलीवाद और पादरी द्वारा नेतृत्व का एक संयोजन है। यह एक संयोजन है, लेकिन मैं एल्डर्स द्वारा शासन में विश्वास करता हूँ, लेकिन क्या मैं इसे बाइबल की अचूकता या मसीह की गरिमा के समान महत्वपूर्ण मानूंगा? नहीं, मैं ऐसा नहीं मानूंगा।

लेकिन एरिक्सन और मुझमें उन मामलों में गलतियाँ हैं क्योंकि हम असहमत हैं। हम में से कोई भी दूसरे की निंदा नहीं करेगा। व्यवस्थागत त्रुटि बदतर है।

यह एक ऐसी त्रुटि है जो सिद्धांत की पूरी प्रणाली में व्याप्त है। मैंने माइकल विलियम्स के साथ मिलकर एक पुस्तक लिखी है जिसका नाम है 'मैं आर्मिनियन क्यों नहीं हूँ?' जेरी वाल्स और जोसेफ डोनजेल ने एक पुस्तक लिखी है जिसका नाम है 'मैं कैल्विनिस्ट क्यों नहीं हूँ?'

सच तो यह है कि उन्होंने ही सबसे पहले ऐसा किया। यह एक लंबी कहानी है; मैं इसमें नहीं जाऊँगा। लेकिन हम एक-दूसरे से प्यार करते हैं और प्रभु में एक-दूसरे को स्वीकार करते हैं।

अगर वे सही हैं, तो मेरा कैल्विनवाद और आर्मिनियनवाद एक प्रणालीगत त्रुटि है। लेकिन मुद्दा यह है कि हममें से कोई भी एक-दूसरे को विधर्मी नहीं मानता।

तो, मेरे दोस्त, क्या अनुमान लगाओ? दोस्तों, हम सभी में गलतियाँ होती हैं। प्रभु के सामने खुद को नम्र करो। अपने भाइयों और बहनों को मत कोसिए और उन्हें विधर्मी मत कहिए क्योंकि उनका सहसाब्दी या विश्वास के कुछ अन्य विवरणों के बारे में अलग दृष्टिकोण है।

यदि उनके पास मसीह के ईश्वरत्व के बारे में अलग दृष्टिकोण है, तो वे विश्वास से बाहर हैं। पंथवादी होना और उद्धार पाना तभी संभव है जब आप पंथ की शिक्षाओं के विपरीत विश्वास करते हैं। गलातियों, मैं गलातियों 1 और फिलिप्पियों 1 की अपील के साथ अपनी बात रखूँगा। गलातियों 1, पॉल कहते हैं कि यदि स्वर्ग से कोई स्वर्गदूत या प्रेरित, यह असंभव है, एक अलग सुसमाचार का प्रचार करता है, तो उसे शापित किया जाए, अभिशाप दिया जाए।

वह ज़ोर देने के लिए इसे दो बार कहता है। यह सुसमाचार में परमेश्वर का वचन है। यह चर्च का चिह्न है।

यह प्रेरितों या स्वर्गदूतों से भी ऊपर है अगर वे कुछ और प्रचार करते हैं। फिलिप्पियों 1, पॉल जेल में है। कुछ सच्चे भाई जाहिर तौर पर निश्चित रूप से प्रचार कर रहे हैं।

मुझे लगता है कि वे सच्चे भाई हैं। वे निश्चित रूप से पॉल से आगे निकलने के लिए एक सच्चे सुसमाचार का प्रचार कर रहे हैं। आप कहते हैं कि यह बीमार है।

यह बीमार है। पॉल की प्रतिक्रिया क्या है? वह प्रभु की स्तुति करता है। क्यों? क्या उसे चोट नहीं लगी है? शायद।

क्या इससे कोई फर्क पड़ता है? इतना भी नहीं। क्यों? क्योंकि वे सच्चे सुसमाचार का प्रचार कर रहे हैं। उनका रवैया निश्चित रूप से भयानक है, लेकिन इस बात से कि वे सच्चे सुसमाचार का प्रचार कर रहे हैं, वह खुश होता है।

गलातियों 1, तुम एक अलग सुसमाचार का प्रचार करते हो, तुम पर हाय। तो, हम सभी में गलतियाँ हैं। प्रभु के सामने खुद को नम्र करो।

बाइबल के सिद्धांतों की प्रणाली को समझने के लिए कड़ी मेहनत करें। लेकिन उन लोगों के प्रति दया और प्रेम दिखाएँ जो इनमें से कुछ बातों पर आपसे असहमत हैं। मैं इसे फिर से कहूँगा।

जब मैंने चर्च की एकता का अध्ययन किया तो मैंने भी यही बातें कही थीं। पीटरसन, मैं एक कैल्विनिस्ट हूँ, और आर्मिनियन लोगों में क्या समानता है? मैं, जो पवित्र आत्मा के प्रति खुला हूँ, लेकिन गैर-करिश्माई या पेंटेकोस्टल ईसाई हूँ, मेरा करिश्माई या पेंटेकोस्टल ईसाइयों से क्या समानता है? मैं, एक वाचा धर्मशास्त्री, और डिस्पेंसेशनल धर्मशास्त्रियों में क्या समानता है? बहुत कुछ। पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा।

मसीह का लहू। पवित्र आत्मा का व्यक्तित्व और सेवकाई। कुछ बातें, बेशक, समझ के अनुसार अलग-अलग हैं।

और भी बहुत कुछ। हे भगवान। आइए हम अपने कामों को व्यवस्थित करें और अपेक्षाकृत छोटी-छोटी बातों पर एक-दूसरे को विधर्मी न कहें।

इसमें और भी बहुत कुछ है। इसमें बाइबल के सिद्धांत शामिल हैं। पादरी का कर्तव्य है कि वे सत्य पर अडिग रहकर झुंड की रक्षा करें।

प्रेरितों के काम 20 मुझे शर्मसार करता है। पौलुस इफिसियन बुजुर्गों से कहता है, यह एक तरह का प्रोटो-प्रेसबिटेरी है, जो मिलेटस में उससे मिलता है। तुम्हारे बीच से ही खूंखार भेड़िये झुंड पर हमला करेंगे।

क्या? प्रेरितों के काम 20, 28 से 31. क्या उसका मतलब उसके सामने खड़े लोगों की संख्या से है? हो सकता है, लेकिन मुझे पूरी उम्मीद है कि ऐसा नहीं होगा। मुझे उम्मीद है कि उसका मतलब उनकी कलीसियाओं से है।

आह, पहला मामला बहुत दुखद होगा। आह। पादरी का कर्तव्य है कि वे सुसमाचार को मजबूती से थामे रहकर झुंड की रक्षा करें।

तीतुस 1-9 प्राचीनों के लिए योग्यताएँ बताता है। न केवल 1 तीमुथियुस 3 ऐसा करता है, बल्कि तीतुस 1 भी ऐसा करता है। और पौलुस प्राचीन कहता है; वह उसे बिशप या ओवरसियर कहता है।

मुझे लगता है कि इन शब्दों का इस्तेमाल समानांतर रूप से किया जाता है। पादरी या चरवाहा, बिशप, ओवरसियर, एल्डर या एल्डर। एल्डर।

तीतुस 1:9. अध्यक्ष को भरोसेमंद वचन को दृढ़ता से थामे रहना चाहिए जैसा कि प्रेरित पौलुस ने तीतुस को सिखाया था। और वह इसके दो परिणाम बताता है।

एक, जिसे एल्डर प्यार करता है। दूसरा, जिसे उसे अनिच्छा से करना पड़ता है। बिशप को सिखाए गए भरोसेमंद वचन पर दृढ़ रहना चाहिए ताकि वह सही सिद्धांत में शिक्षा देने में सक्षम हो सके।

मैं [biblicalelearning.org](http://biblicalelearning.org) के लिए ये व्याख्यान देने में सक्षम होने के लिए खुश हूँ, साथ ही मैं RATE, रिफॉर्म इंटरनेशनल थियोलॉजिकल एजुकेशन मंत्रालय के माध्यम से यूक्रेन में विश्वासियों को सुसमाचार और अधिक धर्मशास्त्र सिखाने में भी खुश हूँ। अपने भाइयों और बहनों की मदद करना कितना आशीर्वाद है, खासकर अब जब उनका देश युद्ध में है। मैं बाल सुसमाचार के लिए एक धर्मशास्त्रीय सलाहकार के रूप में सेवा करने में प्रसन्न हूँ।

ये सभी बातें मेरे दिल को खुश करती हैं। मैं किसी गलती का विरोध करने में खुश नहीं हूँ, लेकिन मुझे गलती का विरोध करना पड़ता है। प्राचीन को सिखाए गए भरोसेमंद वचन को दृढ़ता से थामे रहना चाहिए ताकि वह सही सिद्धांत में शिक्षा दे सके और उन लोगों को फटकार भी लगा सके जो इसका विरोध करते हैं।

अगर कोई व्यक्ति इससे बहुत ज़्यादा आनंद लेता है, तो वह खुद को प्राचीन पद से अयोग्य ठहराता है क्योंकि प्राचीनों को उग्र नहीं होना चाहिए, लेकिन उन्हें लड़ना पड़ता है। वे लड़ना नहीं चाहते, लेकिन उन्हें कभी-कभी लड़ना पड़ता है। इसीलिए यह तीतुस 1:9, प्रेरितों के काम 20:28-31 है।

हम वहाँ नहीं जा रहे हैं, लेकिन 1 तीमुथियुस 4:16 में पॉल कहते हैं, अपने जीवन और अपने सिद्धांत पर कड़ी नज़र रखें। विधर्मी, अगर वे नैतिक हैं, तो उन्हें चर्च छोड़ देना चाहिए। आप इस पर भरोसा नहीं कर सकते, और हो सकता है कि उनके इरादे भी अच्छे न हों।

1 यूहन्ना 2:18-20, ठीक यहीं पर। वे हमारे बीच से निकल गए, मसीह विरोधी, क्योंकि वे वास्तव में हमारे नहीं थे। यदि वे हमारे होते, तो वे हमारे साथ ही रहते, लेकिन उनके निकल जाने से पता चला कि उनमें से कोई भी हमारा नहीं था।

1 यूहन्ना 2:18-19, विधर्मियों को चर्च छोड़ देना चाहिए, लेकिन अगर वे नहीं छोड़ते तो हम क्या करें? यह एक बहुत अच्छा सवाल है। चर्चों को उन विधर्मियों को अनुशासित करना चाहिए जो चर्च नहीं छोड़ते। यह साबित करना जितना आप सोच सकते हैं उससे कहीं ज़्यादा मुश्किल है।

तीतुस 3:10 और 11 कहता है, यह निर्देश तकनीकी रूप से विधर्मियों के लिए नहीं, बल्कि विभाजनकारी व्यक्तियों के लिए देता है। तीतुस 3:10, जैसे कि एक व्यक्ति जो दर्शन को देखता है, उसे एक बार और फिर दो बार चेतावनी देने के बाद, उसके साथ कुछ और नहीं करना चाहिए। यह जानते हुए कि ऐसा व्यक्ति विकृत और पापी है, वह खुद को दोषी मानता है।

तीतुस 2:10 और 11. 2 पतरस 2:1-3 झूठे शिक्षकों की निंदा करता है। 2 पतरस 2:1-3 और आयत 9 सिर्फ़ उनकी निंदा करती है।

यह तकनीकी रूप से यह नहीं कहता कि उन्हें बाहर निकालो, लेकिन निश्चित रूप से, और फिर से गलातियों 1 में वापस, यदि कोई अलग सुसमाचार का प्रचार करता है, गलातियों 1:6-9, तो उसे शापित होना चाहिए। इसलिए, मुझे ऐसा कोई श्लोक नहीं मिला जो यह कहता हो, लेकिन निश्चित रूप से यह बाइबिल की शिक्षा से एक अच्छा और तार्किक निष्कर्ष है। चर्चों को उन विधर्मियों को अनुशासित करना चाहिए जो नहीं छोड़ेंगे।

तीतुस 3:10 और 11 में विभाजनकारी लोगों को अनुशासित करने के लिए समानांतर निर्देश दिए गए हैं। 2 पतरस 2:1-3 और 9 में झूठे शिक्षकों की निंदा की गई है। गलातियों 1:6-9 में भी यही कहा गया है।

यह उन्हें नरक में जाने की निंदा करता है। तो यहाँ बाइबिल के सिद्धांत दिए गए हैं। पादरियों को सत्य पर अडिग रहकर झुंड की रक्षा करनी चाहिए, जिसमें गलतियों को धिक्कारना भी शामिल है।

दूसरा, विधर्मी, अगर वे हैं, अगर उनमें ईमानदारी है, तो उन्हें चर्च छोड़ देना चाहिए। मैं आपको एक मजेदार कहानी बताता हूँ। मेरे एक मित्र, एलन गोम्स ने इसका संपादन किया। यहाँ उनके लिए एक अच्छा विज्ञापन है: ज़ोंडरवन की व्हाटएवर इट इज़, दुनिया के धर्मों और पंथों के लिए मार्गदर्शकों पर 16 खंड।

गोम्स कई तरह के लोग हैं। वह एक बहुत अच्छे ऐतिहासिक धर्मशास्त्री हैं। वह एक पंथ विशेषज्ञ भी हैं।

वह यूयू, यूनिवर्सल यूनिटेरियन और वास्तव में सभी पंथों के विशेषज्ञ हैं, लेकिन वह इनमें से कुछ में माहिर हैं। अरे हाँ, यूयू। वह एक कहानी सुनाता है, वह एक कहानी सुनाता है, अद्भुत चीज़: यूनिटेरियन यूनिवर्सलिस्ट चर्च।

क्या आप समझते हैं कि ये लोग क्या नहीं मानते? वे नहीं मानते कि यीशु ईश्वर हैं। वे नर्क में विश्वास नहीं करते। मुझे यह भी नहीं पता कि वे किसी तरह के स्वर्ग या नए स्वर्ग और नई धरती में विश्वास करते हैं या नहीं।

वे वास्तव में रूढ़िवादिता की सीमा से बाहर हैं। खैर, अंदाज़ा लगाइए क्या? यूयू चर्च चर्च विकास सिद्धांतों का उपयोग करके बढ़ रहे हैं। यह बस दुखद है।

इससे पता चलता है कि अगर आप कॉफ़ी और डोनट्स देते हैं और आप दोस्ताना व्यवहार करते हैं, तो आप लोगों को विधर्मी परिस्थितियों में भी अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं। और यहाँ, यहाँ एक मजेदार बात है। यह थोड़ा अजीब है, लेकिन मजेदार है।

गोम्स कहते हैं कि कुछ पुराने यूयू को यह पसंद नहीं है कि चर्च विकास के सिद्धांतों का इस्तेमाल अनुपालन प्राप्त करने के लिए किया जा रहा है क्योंकि, उद्धरण, वे लोगों को यीशु के बारे में भी बता रहे हैं। इसका मतलब है कि उनमें से कुछ में ईमानदारी है और वे मसीह की ईश्वरीयता को नकारते हुए अपने पाखंड से समझौता नहीं करेंगे। हे भगवान।

ईसाई चर्चों को उन विधर्मियों को अनुशासित करना चाहिए जो चर्च नहीं छोड़ते। ईसाइयों को ऐसे चर्च से अलग हो जाना चाहिए जो चर्च के चिह्नों को अस्वीकार करता है। यह मेरे लिए कहना कोई कठिन बात नहीं है, लेकिन मैं इसे एक इंजील धर्मशास्त्री के रूप में कहता हूँ।

दूसरा शमूएल छः, यहाँ हमारा अपना चर्च, सेंट चार्ल्स में अनुग्रह चर्च का अनुबंध। हमारे पादरी डॉ. वैन लीस हैं, जो पुस्तकों के माध्यम से परमेश्वर के वचन का प्रचार करते हैं, बाइबल की एक के बाद एक पुस्तकें, अपने हृदय में प्रेम और आनन्द के साथ बाइबल को स्पष्ट रूप से समझाते हैं, जब वे त्रुटियों पर आते हैं तो सत्य को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करते हैं। वह ऐसा करते हैं।

मेरे एक मित्र के माता-पिता चर्च में जा रहे थे। वे दूसरे चर्च में जा रहे थे जिसका नाम मैं इस वीडियो में नहीं बताऊंगा। और वह, वह, उसके सामने वाला अंश अंतिम दिनों में झूठी शिक्षा और पाखंड के बारे में बात करता था।

और उसने इसे उड़ने दिया, इसे फटने दिया। और उसके उपदेश के बाद, प्यारी माँ ने कहा, आदमी और उसकी पत्नी, उसने कहा, हम हर हफ्ते हमारे चर्च में ऐसा सुनते हैं। और मैंने कहा, आप इसे क्यों नहीं छोड़ देते? और उन्होंने ऐसा किया।

उसने हर हफ्ते उनके चर्च में उपदेश देते हुए, अंतिम दिनों की विशेषता वाली विधर्मी बातें सुनीं। ओह, मेरे शब्द। ईसाई लोग संगति और दूसरों की परवाह करने के कारण वर्षों तक वहाँ रहे, और वे सच्चे विश्वासी थे, लेकिन शिक्षा बुरी थी।

यह शिक्षा सुसमाचार और सुसमाचार की आवश्यकता को नकार रही थी। ईसाइयों को ऐसे चर्च से अलग हो जाना चाहिए जो चर्च के चिह्नों को अस्वीकार करता है। 2 कुरिन्थियों 6:14 से 7:1 तक शास्त्रीय पाठ है।

अविश्वासियों के साथ बेमेल जूए में न जुतो। क्योंकि धार्मिकता और अधर्म का क्या मेल-मिलाप? ज्योति और अंधकार का क्या मेल-मिलाप? मसीह का बलियाल से क्या नाता, जो शैतान का एक नाम है? विश्वासी और अविश्वासी का क्या अनुपात? मूर्तों के साथ परमेश्वर के मन्दिर का क्या नाता? क्योंकि हम जीवते परमेश्वर के मन्दिर हैं। जैसा परमेश्वर ने कहा है, मैं उनके बीच निवास करूंगा और उनके बीच चलूंगा।

मैं उनका परमेश्वर ठहरूंगा। वे मेरे लोग होंगे। इसलिए, उनके बीच से निकल जाओ और उनसे अलग हो जाओ, यहोवा कहता है।

किसी भी अशुद्ध वस्तु को मत छुओ, और मैं तुम्हारा स्वागत करूंगा। मैं तुम्हारा पिता बनूंगा। तुम मेरे लिए बेटे और बेटियां होगे, सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है।

प्रियों, चूँकि हमारे पास ये वादे हैं, तो आइए हम अपने शरीर और आत्मा की हर मलिनता से खुद को शुद्ध करें, और परमेश्वर के भय में पवित्रता को पूर्णता तक ले जाएँ। 2 कुरिन्थियों के 6:14 में असमान जूए का उल्लेख अक्सर विवाह के लिए किया जाता है। यह, पहली बार में, विवाह की बात नहीं करता है।

यह आध्यात्मिक एकता की बात करता है। पॉल इससे ज़्यादा ज़ोरदार नहीं हो सकता था। बार-बार, मैं गिनती भूल गया। क्या यह छह बार है? वह एक शब्द का उपयोग करता है जो विश्वास की बात करता है, एक शब्द जो अविश्वास की बात करता है, और एक शब्द जो एकता की बात करता है।

हे विश्वासियों, इसका तात्पर्य है, अविश्वासियों के साथ असमान बंधन में न जुतो। धार्मिकता, विश्वास, और अधर्म, अविश्वास, में क्या साझेदारी है। विश्वासियों, प्रकाश और अंधकार में क्या संगति है, एकता शब्द।

मैं रुक जाऊंगा। यह तो चलता ही रहेगा। वह बार-बार यह कहकर ज़ोर दे रहा है।

उनमें से निकल आओ, ईमान वालों; बेशक, उन्हें अविश्वासियों से दोस्ती करनी चाहिए। दुनिया में अविश्वासी लोग ईमान कैसे लाएँगे? लेकिन ईमान वालों को अविश्वास से अलग होना चाहिए। फिर से, क्या मैं ईमान के विवरण के बारे में बात कर रहा हूँ? मैं ईमान के विवरण के बारे में बात नहीं कर रहा हूँ।

मैं मोक्ष के मार्ग को नकारने, मसीह के ईश्वरत्व को नकारने, विश्वास के मूल सिद्धांतों को नकारने की बात कर रहा हूँ। हमारे अगले व्याख्यान में, हम ईसाई चर्च के अध्यादेशों के रूप में बपतिस्मा और प्रभु के भोज पर विचार करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 9 है, चर्च के चिह्न, चर्च संबंधी पृथक्करण, और त्रुटि के संबंध में बाइबिल के सिद्धांत।